• जरूर जाएं...

रामेश्वर...

रामेश्वरम की खूबसूरत जगहें

रामेश्वरम एक प्रसिद्ध द्वीप शहर है, जो मुन्नार की खाड़ी में स्थित है। यह स्थान बहुत ही पवित्र माना जाता है, जहां भगवान राम ने राजा रावण के खिलाफ अपने अभियान के दौरान पड़ाव डाला था। यह शहर भारत के चार धामों में से एक है। इस स्थान का अपना एक आध्यात्मिक महत्व है।

▶ **श्री रामनाथस्वामी मंदिर**-यह यहां का सबसे फेमस मंदिर है, जिसे श्री रामनाथस्वामी मंदिर अपने शिवलिंग के लिए प्रसिद्ध है। रामेश्वरम में मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति है और दुनिया में पाए जाने वाले बारह अद्वितीय ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर भारत के कुछ मंदिरों में से एक है जो पूरी तरह से द्रविड़ स्थापत्य शैली में बनाया गया है। प्राचीन कथाओं के अनुसार, मंदिर परिसर में 112 तालाब हुआ करते थे, जिनमें से केवल 12 शेष हैं। मंदिर अपनी वास्तुकला के कारण भी पर्यटकों को आकर्षित करता है। धार्मिक महत्व के अलावा, मंदिर बहुत ऐतिहासिक महत्व भी रखता है, और यह 12 वीं शताब्दी का है।

▶ **अग्नि तीर्थम**-आप अग्नि तीर्थम जैसी जगह को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह जगह थोड़ी धार्मिक है, लेकिन

बहुत सुकून से भरी हुई है। यह जगह एक समुद्र तट पर स्थित है, जो आपको महान भारतीय महाकाव्य रामायण की ऐसी कहानी से मोहित कर देगा। यह समुद्र तट पर्यटकों के लिए सुकून से भरा हुआ हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह एक प्राचीन समुद्र तट आपको आश्वस्त कर सकता है। साथ ही, रामेश्वरम प्रसिद्ध यह पवित्र स्नान के लिए रामेश्वरम के सबसे अधिक देखे जाने वाले तीर्थों में से एक है।

▶ **रामेश्वरम पंबन पुल**-रामेश्वरम पंबन भारत का सबसे लोकप्रिय पुल है। यह तमिलनाडु और रामेश्वरम को जोड़ने का काम करता है। यह पुल भारतीय रेलवे का हिस्सा है और पंबन द्वीप से तमिलनाडु मुख्य भूमि को जोड़ता है। यह पुल हिंद महासागर में स्थित है। इसकी अनोखी बात यह है कि इस पुल पर खुलने वाला हिस्सा बनाया गया है, ताकि बड़े जहाज और नौकाएं इसे पार कर सकें। यह पुल भारतीय रेलवे इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है और रामेश्वरम धार्मिक दर्शन स्थल के रूप में भी प्रसिद्ध है।

• देश के...

शानदार ट्रेन रूट

भारत में ऐसे कई रेल रूट हैं, जो पहाड़, झील-झरने, समुद्र और नदियों के बीच से गुजरते हैं। इसलिए जब भी कोई किसी स्थान पर घूमने का प्लान बनाता है, वो ट्रेन से ही सफर करना पसंद करता है ताकि सफर में

मंत्रमुग्ध करने वाले दृश्यों को देखा जा सकें।

भारत में ऐसे कई रेल मार्ग हैं, जो मानसून में असीम खूबसूरती बिखेरने का काम करते हैं। इन रेल रूट के सफर पर निकलना किसी भी व्यक्ति के लिए जन्नत के बराबर हो सकता है।इस आर्टिकल में हम आपको देश के टॉप 5 ऐसे रेल रूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें मानसून में एक्सप्लोर करना स्वर्ग के बराबर माना जाता है। आप भी जल्दी प्लान बनाएं।

▶▶ **कालका-शिमला रेल रूट**-देश के सबसे खूबसूरत और मनमोहक रेल रूट की बात होती है, तो कई लोग सबसे पहले कालका शिमला रेल रूट का ही नाम लेते हैं। यह रेल रूट हिमाचल की राजधानी शिमला को कालका से जोड़ने का काम करता है। यह रेल रूट टॉय ट्रेन के रूप में जाना जाता है। करीब 96 किमी कालका-शिमला रेल रूट कई मनमोहक दृश्यों के लिए जाना जाता है। इस रूट में ट्रेन सुरंगों से होकर भी गुजरती है। मानसून में जब ट्रेन इस रूट पर चलती है, तो आसपास का नजारा सिर्फ और सिर्फ देखने का ही मन करता है। मानसून के साथ-साथ बर्फबारी के समय भी इस रेल रूट की खूबसूरती देखने लायक होती है।

▶▶ **बेंगलुरु-गोवा रेल रूट** -अगर आप बेंगलुरु के साथ-साथ गोवा की सीमा की खूबसूरती करीब से देखना चाहते हैं, तो मानसून में आपको एक बार बेंगलुरु टू गोवा ट्रेन सफर पर जरूर निकलना चाहिए। बेंगलुरु-गोवा रेल रूट करीब 500 किमी है। बेंगलुरु-गोवा रेल रूट में जब ट्रेन पहाड़, घास के मैदान, नदियों और ऊंचे-ऊंचे ब्रिज से होकर गुजरती है, तो आसपास का दृश्य सिर्फ निहारने का कम करता है। मानसून में इस रेल रूट की खूबसूरती चरम पर होती है। मानसून में यह रेल रूट रोमांटिक नजारा प्रस्तुत करता है।

▶▶ **भुवनेश्वर-ब्रह्मपुर रेल रूट**-जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर आजकल ओडिशा लाखों भक्त और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में अगर आप जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होने के साथ कुछ अद्भुत दृश्यों से रूबरू होना चाहते हैं, तो फिर आपको भुवनेश्वर-ब्रह्मपुर ट्रेन सफर पर निकल जाना चाहिए।

भुवनेश्वर-ब्रह्मपुर रेलयात्रा एक अलग ही दुनिया प्रस्तुत करता है। यह रूट पूर्वी घाट से होकर मशहूर चिल्का झील की तरफ जाता है। सफर में चिल्का झील की असली खूबसूरती को निहारा जा सकता है। यह रूट ओडिशा के महशूर मल्याद्री जंगल के बीच से गुजरता है।

▶▶ **जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग रेल रूट**-पहाड़ी इलाकों में चलने वाली ट्रेन में सफर करने की बात होती है, तो कई लोग सबसे पहले दार्जिलिंग रेल रूट का जरूर नाम लेते हैं। यह रेल रूट अपनी अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में फेमस है।

अगर आप अपने पार्टनर के साथ जा रहे हैं, तो यहां के आलीशान विला में रोमांटिक टाइम भी स्पेंड कर सकते हैं। कहा जाता है कि थाईलैंड के चारों तरफ खूबसूरत समुद्री तट है। यहां जाने के बाद सैलानियों को वापस लौटने का मन नहीं करता है।

इसके साथ ही आप थाईलैंड के बाली समेत किसी दूसरे शहर की सैर का प्रोग्राम भी साथ में बना सकते हैं, लेकिन फिलहाल थाईलैंड की इन जगहों को एक्सप्लोर किया जा सकता है...

थाईलैंड में मिलेगा जिंदगी का असली मजा

विदेश में घूमने का सपना लगभग हर किसी का होता है। अन्य विदेशी देशों की तरह थाईलैंड भी भारतीय लोगों के बीच काफी फेमस है। घूमने वाला व्यक्ति यह जरूर सोचता है कि लाइफ में एक बार थाईलैंड घूमने के लिए जरूर जाना है। ऐसे में अगर वो लोग पहली बार थाईलैंड घूमने की प्लानिंग करते हैं, तो कई बार कुछ गलतियां कर देते हैं। उन्हें न जगहों के बारे में पता होता है और सही बजट तय किया जाता है। इसलिए यहां जाने से पहले यहां के बारे में जान लें।

● अगर आप अपने पार्टनर के साथ जा रहे हैं, तो यहां के आलीशान विला में रोमांटिक टाइम भी स्पेंड कर सकते हैं। कहा जाता है कि थाईलैंड के चारों तरफ खूबसूरत समुद्री तट है। यहां जाने के बाद सैलानियों को वापस लौटने का मन नहीं करता है। इसके साथ ही आप थाईलैंड के बाली समेत किसी दूसरे शहर की सैर का प्रोग्राम भी साथ में बना सकते हैं, लेकिन फिलहाल थाईलैंड की इन जगहों को एक्सप्लोर किया जा सकता है।

● **पट्टाया घूमने जाएं**-अगर आपको सुंदर बीच डेस्टिनेशन घूमना है, तो थाइलैंड के पट्टाया जरूर जाएं। यहां पर इसलिए क्योंकि यह कपल्स के लिए बहुत ही रोमांटिक जगहों में से एक हैं। हालांकि, पहले यह एक फिशिंग गांव था, लेकिन अब दुनिया का सबसे पॉपुलर बीच डेस्टिनेशन है। यहां कई लग्जरी रेस्टोरेंट और कई खूबसूरत बीच हैं, जहां आप अपने पार्टनर और फैमिली के साथ एन्जॉय कर सकते हैं। अगर आप खाने के शौकीन हैं, तो बेहतरीन और जायकेदार थाई फूड का लुत्फ उठा सकते हैं।

● **फुकेट को करें एक्सप्लोर**-बैंकाक से लगभग 862 किलोमीटर दक्षिण में फुकेट है। थाईलैंड के बड़े द्वीप को अंडमान समुद्र का हीरा भी कहा जाता है। फुकेट प्रांत में कुल 40 छोटे-बड़े द्वीप हैं। मुख्य द्वीप उत्तर में दो पुलों के जरिये फांग नगा प्रांत से जुड़ा हुआ है। दूरी के लिहाज से थाईलैंड भारत के सबसे नजदीक देशों में से है। यूं तो फुकेट का हर एक कोना अपनी तरफ आकर्षित करता है, यहां घूमने और मस्ती लायक तमाम जगहे हैं, जहां जाकर अपने पार्टनर के साथ जिंदगी के मजे लिए जा सकते हैं।

● **इरावन जलप्रपात में बिताएं रोमांटिक पल**-इरावन जलप्रपात थाईलैंड के कंचनबुरी प्रांत में स्थित खूबसूरत जगह है। यह जगह कपल्स के लिए बहुत ही रोमांटिक मानी जाती है। हालांकि, इस झरने का नामकरण हिंदू पौराणिक कथाओं के तीन सिर वाले सफेद हाथी के नाम पर किया गया था। कहा जाता है कि सात-तीरों वाले स्तंभों से इरावन बना है। पार्क पूरे साल आगंतुकों के लिए खुला रहता है। बरहाल, आप यहां के 7 जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। हर एक की सैर करना आपके लिए मजेदार और बहुत ही रोमांचक हो सकता है। वहीं, इरावन जलप्रपात के साफ और ताजे पानी में तैराकी का आनंद लें। आप स्नॉर्कलिंग करके पानी के नीचे की सुंदरता को भी देख सकते हैं।

● **उठाएं स्ट्रीट फूड का लुत्फ**-थाईलैंड में बहुत क्यूट और इंस्टाग्राम वर्दी कैफे हैं और कभी-कभी जाना भी चाहिए। पर हमेशा कैफेज में खाना सही नहीं है। इसके लिए आप थाईलैंड का स्ट्रीट फूड ट्राई कर सकते हैं। आप कैफे विजिट कर सिर्फ एक कोई डिश ऑर्डर कर अपना पेट बाहर मौजूद स्ट्रीट फूड से भर सकती हैं। कैफे में खाई गई पैड थाई 500 भात की थी और बाहर स्ट्रीट मार्केट में खाई गई पैड थाई की कीमत 50 भात थी।

● थाईलैंड जाने से पहले भारतीय रुपये को थाईलैंड रुपये में बदलवा लें।

● थाईलैंड पहुंचकर ही होटल बुक करें।

● थाईलैंड में क्या खाना है क्या नहीं खाना है इसका भी ध्यान जरूर रखें।

● ट्रिप के दौरान अंजान लोगों से दूरी बनाकर रखें।

● यात्रा में कीमती सामान लेकर न जाए।

■ **साभार- हेजी**

• हरियाणा में...

मेवात

हरियाणा का नूंह जिला, जिसे पहले मेवात जिले के नाम से जाना जाता था। यह जिला गुरुग्राम के करीब होते हुए भी हरियाणा के पिछड़े इलाकों में से है। लेकिन भले ही यह इलाका इतना डेवलप नहीं हो पाया हो, लेकिन यहां स्थित जगहें हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। हेरिटेज परिवहन संग्रहालय में बाद आप कई ऐसी चीजें देखने को मिलेगी, जिसे आपने आज से पहले कहीं और नहीं देखा होगा। यह संग्रहालय मानव परिवहन के इतिहास से संबंधित है। यहां आपको यातायात से जुड़े पुराने विज्ञापन, सामान, स्पेयर पार्ट्स और मैप जैसी कई चीजें देखने को मिलेंगी। नल्हड़ महादेव मंदिर एक ऐसी खास जगह पर स्थित है कि दर्शन के साथ-साथ आपको सुंदर वातावरण भी देखने को मिलेगा। यह मंदिर हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका और गांव गहबर में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए आपको नूंह शहर से करीब 3 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। नल्हड़ मंदिर में स्थित कदम के पेड़ से लगातार पानी निकलता रहता है। इसलिए इस मंदिर को चमत्कारी भी माना जाता है।

• टाइगर फॉल...

अब शिखर फॉल छोड़कर आपको टाइगर फॉल जाना चाहिए। टाइगर फॉल देहरादून से लगभग 85 किलोमीटर दूर चकराता के पास स्थित है। टाइगर फॉल जाते हुए आपको घुमावदार पहाड़ी सड़कों से होते हुए जाना पड़ेगा, जो आपकी यात्रा को रोमांच से भर देगा। टाइगर फॉल पहुंचने के लिए आपको घने जंगल से होते हुए एक छोटा ट्रेक करना होता है और फिर आप पहुंचते हैं खूबसूरत झरने के बीच, जहां का नजारा आपके मन को मोहने के लिए काफी है।